सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 08 DECEMBER TO 14 DECEMBER 2023 • VOLUME 20 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

इंसान तो हर घर में पैदा होते हैं,
बस इंसानियत कहीं कहीं जन्म लेती है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

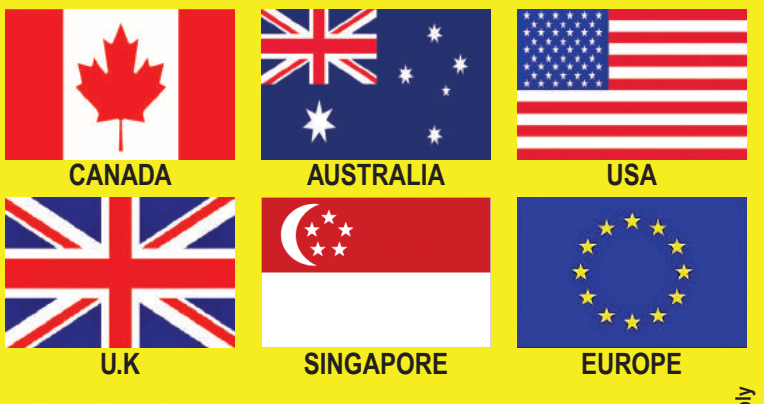

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

रेवंत रेड्डी ने ली सीएम पद की शपथ

भट्टी विक्रमार्क बने डिप्टी सीएम, सोनिया और राहुल गांधी भी रहे मौजूद

हैदराबाद. तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जीत मिली थी। कांग्रेस की ओर से अनुमुला रेवंत रेड्डी को पार्टी विधायक दल का नेता चुना गया। रेवंत रेड्डी ने गुरूवार को तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी भी शामिल हुए। कार्यक्रम हैदराबाद के लाल बहादुर स्टेडियम में हुआ।

रेवंत रेड्डी तेलंगाना के पहले कांग्रेसी मुख्यमंत्री और 2014 में तत्कालीन आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद बने राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री बने। शपथ ग्रहण समारोह में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके डिप्टी डीके शिवकुमार के अलावा हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी शामिल हुए। मधिरा विधानसभा क्षेत्र से जीतने वाले भट्टी विक्रमार्क मल्लू राज्य में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मल्लू पिछली विधानसभा में कांग्रेस सीएलपी नेता थे। उत्तम कुमार रेड्डी, सी दामोदर राजनरसिम्हा, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और डी. श्रीधर बाबू ने तेलंगाना मंत्री के रूप में शपथ ली। रेड्डी को शक्तिशाली बीआरएस, जिसका तेलंगाना की राजनीति पर दबदबा था और महत्वाकांक्षी भाजपा जो विकल्प के रूप में उभरने के लिए कड़ी मेहनत कर रही थी, दोनों को चुनौती देकर तेलंगाना में कांग्रेस को सत्ता में लाने का श्रेय दिया जा रहा है। रेवंत रेड्डी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की थी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रेड्डी (56) भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के मुखर आलोचक रहे हैं। वह प्राय: बीआरएस और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राजनीतिक हमलों का शिकार रहे हैं।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेवंत रेड्डी गारू को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर रेवंत रेड्डी गारू को बधाई। मैं राज्य की प्रगति और उसके नागरिकों के कल्याण के लिए हरसंभव समर्थन का आश्वासन देता हूं।

लोगों को 10 दिसंबर से घर बैठे मिलेंगी 43 नागरिक सेवाएं : मुख्यमंत्री

'भगवंत मान सरकार-तुहाडे द्वार' स्कीम से दूर होगी लोगों की परेशानी

• **जालंधर ब्रीज.** श्री फतेहगढ़ साहिब

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरूवार को कहा कि लोगों को घर पर बैठे नागरिक सेवाएं मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार 10 दिसंबर को 'भगवंत मान सरकार, तुहाडे द्वार' स्कीम की शुरुआत करेगी। श्री फतेहगढ़ साहिब और बस्सी पठाणां के सांझ केन्द्रों के अचानक दौरे पर पहुँचे मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुचारू तरीके और आसानी के साथ यह सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य के साथ यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि घर-घर तक सेवाएं देने की शुरुआत वाली यह पहलकदमी लोगों की सरकारी सेवाओं तक सीधी और आसान पहुँच मुहैया करवाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पहलकदमी के अंतर्गत जन्म और मौत, आमदन, रिहायश, जाति और पैंशन का सर्टिफिकेट, बिजली बिलों की अदायगी और अन्य सेवाएं राज्य भर में घर- घर तक मुहैया होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1076 नंबर हेल्पलाइन पर कॉल करके अपनी सुविधा के मुताबिक समय देकर यह सेवाएं ली जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि आवेदक को सम्बन्धित सेवा लेने के लिए ज़रुरी दस्तावेज़, फीस और अन्य शर्तों के बारे बता दिया जायेगा, जिसके लिए आवेदक को एस. एम. एस. प्राप्त होगा, जिसके द्वारा ज़रुरी दस्तावेज़ों और तारीख़ और समय के बारे पता चलेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि निश्चित समय के मुताबिक विशेष प्रशिक्षण प्राप्त मुलाज़ीम टैबलैट्ट लेकर सम्बन्धित आवेदक के घर या दफ़्तर जाएंगे और सारी अपेक्षित कागज़ी प्रक्रिया पूरी करेंगे और फीस जमा करेंगे। इसके इलावा आवेदक को पहुँच रसीद दी जायेगी, जिसके द्वारा वह अपने आवेदन पर चल रही प्रक्रिया के बारे में जान सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्कीम से न सिर्फ़ लोगों के लिए सुविधा बढ़ेगी, बल्कि इससे पैसे लेकर काम करवाने वाले बिचौलियों की भूमिका ख़त्म होगी और प्रशासन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता आयेगी। उन्होंने कहा कि घर पर बैठे यह सुविधा सेवा केन्द्रों या समर्पित 1076 हेल्पलाइन नंबर के द्वारा 10 दिसंबर 2023 के बाद के ली जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर साल शहीदी सभा के दौरान लाखों श्रद्धालू इस पवित्र स्थान के दर्शनों के लिए आते हैं, इसलिए राज्य सरकार की तरफ से इस नगर की मुकम्मल रूप में नुहार बदली जा रही है।

100 और आम आदमी क्लीनिक लोगों को समर्पित होंगे : सीएम भगवंत मान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब निवासियों को मानक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए जल्दी ही 100 और आम आदमी क्लीनिक समर्पित करेगी। आज यहाँ स्वास्थ्य एवं परिवार भलाई विभाग के कामकाज का जायज़ा लेते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में प्राइमरी स्वास्थ्य देखभाल की कायाकल्प करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 664 आम आदमी क्लीनिक लोगों को समर्पित किये हैं जहाँ 84 ज़रूरी दवाएँ और 40 से अधिक टैस्टों की सुविधा मुफ़्त मुहैया करवाई जा रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आगामी दिनों में 100 और क्लीनिक लोगों को समर्पित करने से मानक स्वास्थ्य सेवाएं यकीनी बनाई जा सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी क्लीनिक राज्य में स्वास्थ्य देखभाल ढांचे को मज़बूत करने में वरदान साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों का अब तक 80 लाख से अधिक लोगों ने लाभ लिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन क्लीनिकों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी तबदीली लाई है जिससे आम आदमी को बहुत फ़ायदा हुआ है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब आगामी एक साल में राज्य में पाँच और मैडीकल कालेज खोले जाएंगे।

कई पीढ़ियां नहीं उतार सकेंगी पंजाब सरकार द्वारा लिया जा रहा कर्ज : सिरसा

नई दिल्ली. पंजाब बीजेपी के वरिष्ठ नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी (आप) की भगवंत मान सरकार पर बड़े आरोप लगाए हैं। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से महज 20 महीने में 60 हजार करोड़ रुपये का कर्ज ले लिया गया है और इसे विज्ञापन और केजरीवाल टूर्स एंड ट्रैवल्स पर बर्बाद कर दिया है। अगर पंजाबी एकजुट नहीं हुए और सीएम की ओर से की गई लूट के खिलाफ आवाज नहीं उठाई तो आम आदमी पार्टी पंजाब को पूरी तरह से बर्बाद कर देगी।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने आगे कहा कि पिछले और इस महीने में ही 4 हजार 400 पचास करोड़ रुपये कर्जा लिया गया है। अब तक 60 हजार करोड़ रुपये का कर्जा लिया जा चुका है। बीजेपी नेता ने कहा कि प्रदेश के किसान, मजदूर कर्ज में हैं। उन्होंने कहा कि सीएम भगवंत मान ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड कोई प्रदेश ऐसा नहीं छोड़ा, जहां के अखबारों में विज्ञापन न लगावाया हो, चुनावों के दौरान जा-जाकर खर्च न किए हो। इसकी वजह से पंजाब कर्ज के बोझ के तले दब गया है। आम आदमी पार्टी पंजाब का कर्जा चुकाने की बात कर सत्ता में आई थी लेकिन अब 60 हजार करोड़ रुपये का कर्जा और चढ़ा दिया है। इसी स्पीड से कर्जा और लेते गए तो पंजाब पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्जा चढ़ जाएगा। कई पीढ़ियां कर्जा नहीं उतार सकेंगी।

राज्यपाल मांग चुके हैं 50 हजार करोड़ के कर्ज का हिसाब

इससे पहले पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित भी पंजाब पर कर्ज को लेकर सवाल खड़े कर चुके हैं। राज्यपाल की तरफ से पंजाब सरकार से 50 हजार करोड़ रुपये के कर्ज का हिसाब मांगा गया था। इसको लेकर प्रदेश में खूब राजनीति हुई थी।

भारत तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : वित्त मंत्री

नई दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है और इसने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विपक्ष के आरोपों पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा देश की अर्थव्यवस्था पर चर्चा कराने से सरकार कभी नहीं हिचकती। दरअसल, वित्त मंत्री 'देश में आर्थिक स्थिति' पर राज्यसभा में हुए अल्पकालिक चर्चा का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर में जीडीपी की दर उच्च थी। हमने सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था की गति लगातार कायम रखी है।

सीतारमण ने कहा कि सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि अच्छी रही है। सभी क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएलआई योजना जैसे विभिन्न उपायों की वजह से विनिर्माण क्षेत्र अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत पिछले आठ वर्षों में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और विकास सभी क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है और केवल एक तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान, भारत की जीडीपी में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि दुनिया की तीसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में इस अवधि के दौरान संकुचन हुआ।

वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम और उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसे सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों के कारण विनिर्माण क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मंत्री ने भारत को दुनिया में दूसरा सबसे अधिक मांग वाला विनिर्माण गंतव्य बताया। करों के संबंध में उन्होंने कहा कि इस साल 9 नवंबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह में 21.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई और आर्थिक विकास के संकेत में मासिक जीएसटी संग्रह 1.6 लाख करोड़ रुपये पर स्थिर हो गया है।

डॉ. संदीप पाठक ने संसद में उठाया पराली का मुद्दा, कहा-

केंद्र 1500 दे तो जल्दी समाधान हो सकेगा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के पंजाब से राज्यसभा सांसद डॉ संदीप पाठक ने वीरवार को संसद में पराली का मुद्दा उठाया और केंद्र सरकार से इसके समाधान के लिए पंजाब सरकार का सहयोग करने की अपील की। राज्यसभा को संबोधित करते हुए डॉ पाठक ने कहा कि पराली जलाने के लिए हम अक्सर किसानों को दोषी ठहराते हैं, जबकि कोई किसान शौक से नहीं बल्कि मजबूरी में पराली जलाता है। इसके लिए स्पष्ट तौर पर सरकारें जिम्मेवार है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से रोकने का सबसे बड़ा समाधान यह है कि सरकार किसानों को उचित आर्थिक मदद दे। पंजाब सरकार ने राज्य के किसानों को पराली के लिए 1000 रुपए प्रति एकड़ देने का प्रस्ताव दिया है और केंद्र से इसके लिए 1500 रु प्रति एकड़ देने की अपील की है। अगर केंद्र पंजाब सरकार की बात मान ले तो किसानों को 2500 रू प्रति एकड़ मिल सकेगा और इस समस्या का जल्दी समाधान हो सकेगा।

पराली समस्या का दूसरा और स्थाई समाधान है फसल विविधीकरण। उन्होंने कहा कि अन्य खरीफ फसलों का धान के मुकाबले एमएसपी बेहद कम है इसलिए किसान धान की खेती करना ही पसंद करते हैं। पंजाब सरकार ने कहा है कि अन्य फसलों और धान के एमएसपी के बीच जो अंतर है उसकी भरपाई राज्य सरकार करेगी। अगर केंद्र सरकार भी एमएसपी बराबर करने की योजना लाए और उसे इसी साल से लागू करे तो इसके अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पाठक के सवालों का जवाब दिया और पंजाब सरकार के 1500 वाली मांग को खारिज कर दिया। उनके जवाब से संदीप पाठक ने असहमति जताई और कहा कि हम मंत्रीजी के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं।

सरकारी कर्मचारियों ने 11 दिसंबर तक बढ़ाई हड़ताल

चंडीगढ़. पंजाब राज्य मिनिस्ट्रियल सेवा संघ (पीएसएमएसयू) के प्रतिनिधियों ने बुधवार को अपना आंदोलन 11 दिसंबर तक बढ़ाने की घोषणा की। कर्मचारी आठ नवंबर से हड़ताल पर हैं। पुरानी पेंशन योजना को लागू करने सहित उनकी अन्य मांगों पर मंत्रिमंडल उप-समिति के साथ बातचीत बेनतीजा रहने के एक दिन बाद हड़ताल बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

पीएसएमएसयू के प्रतिनिधियों ने पहले दावा किया था कि हड़ताल के कारण लगभग दो लाख सरकारी कर्मचारियों के वेतन में देरी हुई है। पीएसएमएसयू के अध्यक्ष अमरीक सिंह ने कहा कि हमने अपनी हड़ताल को 11 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है।

सफाई सेवक से 5000 रुपए प्रति महीना रिश्वत मांगने वाला नंबरदार काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने नगर निगम ज़ोन ए, लुधियाना के नंबरदार पंकज कुमार को एक सफ़ाई सेवक से 5000 रुपए प्रति महीना रिश्वत मांगने के दोष अधीन काबू किया है।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता अशोक कुमार निवासी गाँव मत्तेवाड़ा, लुधियाना ने उक्त मुलजिम पंकज कुमार नंबरदार के ख़िलाफ़ मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाईन में शिकायत दर्ज करवाई और दोष लगाया कि वह लुधियाना शहर के प्रेम व्यवहार इलाके में सफ़ाई सेवक के तौर पर सुबह 6 बजे से 11 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक काम करता है। उसने आगे बताया कि 800 मीटर के घेरे में काम करने की हिदायतों के बावजूद, उसको 2400 मीटर का क्षेत्र दिया गया। शिकायतकर्ता ने आगे दोष लगाया कि मुलजिम नंबरदार ने उसे ड्यूटी से पूरी तरह छूट देने के लिए 5000 रुपए महीना रिश्वत की माँग की, जिससे शिकायतकर्ता ने इन्कार कर दिया। इसके इलावा पंकज कुमार ने दोपहर की शिफ्ट में ड्यूटी से छूट देने के लिए 2000 रुपए प्रति महीना रिश्वत की माँग की। प्रवक्ता ने बताया कि सबूतों समेत आनलाइन शिकायत दर्ज करवाई, जिसमें शिकायतकर्ता ने पंकज कुमार के साथ की सारी बातचीत रिकार्ड कर ली। इस रिकार्डिंग में पंकज कुमार दोपहर की शिफ्ट में ड्यूटी से छूट देने के लिए 2000 रुपए प्रति महीना की बजाय 1000 रुपए लेने के लिए सहमत हो गया। लुधियाना के डी. एस. पी. विजीलैंस ब्यूरो यूनिट की तरफ से पड़ताल करने के उपरांत दोषों की पुष्टि हो गई।

स्पीति वैली में दिखेंगे बर्फ की चादर से ढके पहाड़, यहां कैसे पहुंचे

TRAVELLING

हिमाचल प्रदेश की स्पीति वैली एक तरह से ठंडा रेगिस्तान है। ठंड के मौसम में लाहौल-स्पीति घूमने जाना अडवेंचरस अनुभव हो सकता है। स्पीति पहुंचने का तरीका-

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हिमाचल प्रदेश में घूमने के लिए कई जगहें हैं, लेकिन अगर आप यहां की फैमस स्पीति वैली जाने की सोच रहे हैं तो ये जगह वाकई कमाल की है। स्पिति वैली सैलानियों को खूब पसंद आती है। ये भारत के सबसे ठंडी जगहों में से एक है जहां केवल 250 दिन ही सूरज की धूप पहुंचती है। बता दें कि यहां के कई गावों में तापमान माइनस में चला जाता है। इस जगह पर पहुंचने का तरीका–

स्पीति वैली कैसे जाएं?

स्पीति वैली तक पहुंचना कोई मुश्किल काम नहीं है। आपके पास बस, हवाई और सड़क का ऑप्शन है। जो भी आपके लिए सबसे उपयुक्त हो, आप चुन सकते हैं।

हवाईजहाज से

यहां सबसे पास हवाई अड्डा कुल्लू हवाई अड्डा, भुंतर है। इस जगह से कुल्लू 245 किमी की दूरी पर स्थित है। कुल्लू हवाई अड्डे को भुंतर हवाई अड्डे के नाम से भी जाना जाता है। तो, अपने शहर जैसे दिल्ली, मुंबई आदि से आप भुंतर हवाई अड्डे के लिए उड़ान ले सकते हैं। अगर आप चाहें, तो कुल्लू या मनाली में रुक सकते हैं और स्पीति जाने से पहले इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। कुल्लू से स्पीति पहुंचने के लिए आपको या तो कैब किराये पर लेनी होगी या स्थानीय बस लेनी होगी।

सड़क द्वारा

स्पीति की सड़क यात्रा शुरू करने के लिए दिल्ली और चंडीगढ़ दो फेमस जगह हैं। अपने मूल स्थान से, आप परिवहन के उपयुक्त साधन के माध्यम से दिल्ली या चंडीगढ़ की यात्रा कर सकते हैं और यहां से अपनी स्पीति यात्रा शुरू कर सकते हैं। अगर आप बाइक चलाना पसंद करते हैं, तो आप दिल्ली से स्पीति घाटी तक बाइक यात्रा भी कर सकते हैं।

रेलवे द्वारा

स्पीति घाटी शहर में रेलवे स्टेशन नहीं है। इसलिए, अगर आप ट्रेन से यात्रा करना चाहते हैं, तो आपको जोगिंदर नगर स्टेशन या शिमला स्टेशन पर रुकना होगा क्योंकि ये दोनों स्पीति घाटी के सबसे पास रेलवे स्टेशन हैं। यहां से, आप अपने डेस्टिनेशन तक पहुंचने के लिए कैब या स्थानीय बस किराए पर ले सकते हैं।

तस्वीर साभार Google

NEGATIVE THOUGHTS

मन में बुरे विचार आते हैं तो जान लें क्या होगी एक गुरु की सलाह

मन में बुरे विचार आते रहते हैं और आप उनसे उबर नहीं पा रहे हैं तो जान लें कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की इस बारे में क्या सलाह है। वो निगेटिव विचारों से निकलने के लिए क्या सलाह देते

तस्वीर साभार Google

निगेटिव विचार अक्सर लोगों के मन में आते हैं। कुछ लोगों के मन में ये विचार ज्यादा होते हैं तो कुछ के मन में कम। अक्सर लाइफ में घटी कुछ बुरी यादें इंसान के दिमाग में हावी रहती है और वो उनके बारे में ही सोचता रहता है। या फिर कई बार कुछ अनहोनी के डर से इंसान बुरी बातें सोचता है। मन में अगर बुरे विचार आते रहते हैं और इंसान के सुकून को खत्म करते हैं। तो इन्हें खत्म करने के लिए गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ये सलाह देते हैं।

व्यस्त रहें

श्री श्री रविशंकर कहते हैं कि अगर किसी के मन में बुरे विचार आने लगे और अगर आपने उन्हें पहचान लिया है तो खुद को किसी काम में व्यस्त कर दें। ऐसा करने से विचारों का आना बंद हो जाता है। वहीं अगर आप खाली बैठेंगे तो बहुत सारे विचार आते रहेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाएं

अगर दिमाग में तरह-तरह के निगेटिव विचार घूम रहे हैं तो फर्श पर लेट जाएं और एक तरफ से दूसरी तरफ घूमें। लगातार कुछ देर घूमने के बाद आप महसूस करेंगे कि शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ गया है और आपके दिमाग में चलने वाले विचार भी बदल गए हैं।

निगेटिव विचारों से डरे नहीं

श्री श्री रविशंकर का कहना है कि निगेटिव विचारों से डरें नहीं। ऐसा करने से वो आपको अपने कंट्रोल में कर लेंगे। उन विचारों को आने दें। साथ ही उनसे सबक लेकर उन्हें गलतियों को दोबारा ना करने का प्रण करें।

मेडिटेशन करें

योग और प्राणायाम बहुत जरूरी है। निगेटिव विचारों को दूर करने के लिए ये बहुत ही कारगर नुस्खा है। साथ ही ये आपको लाइफ में सक्सेज भी देगा। इसलिए हर दिन प्राणायाम करने की कोशिश करें।

दूर हो जाएं

अगर किसी इंसान की वजह से आपके दिमाग में बुरी बातें आती हैं तो उनसे दूर होने की कोशिश करें। ऐसे इंसान से अलग हो जाना और फिर वापस से उसको याद ना करना बुरे विचारों से निकालने में मदद करता है।

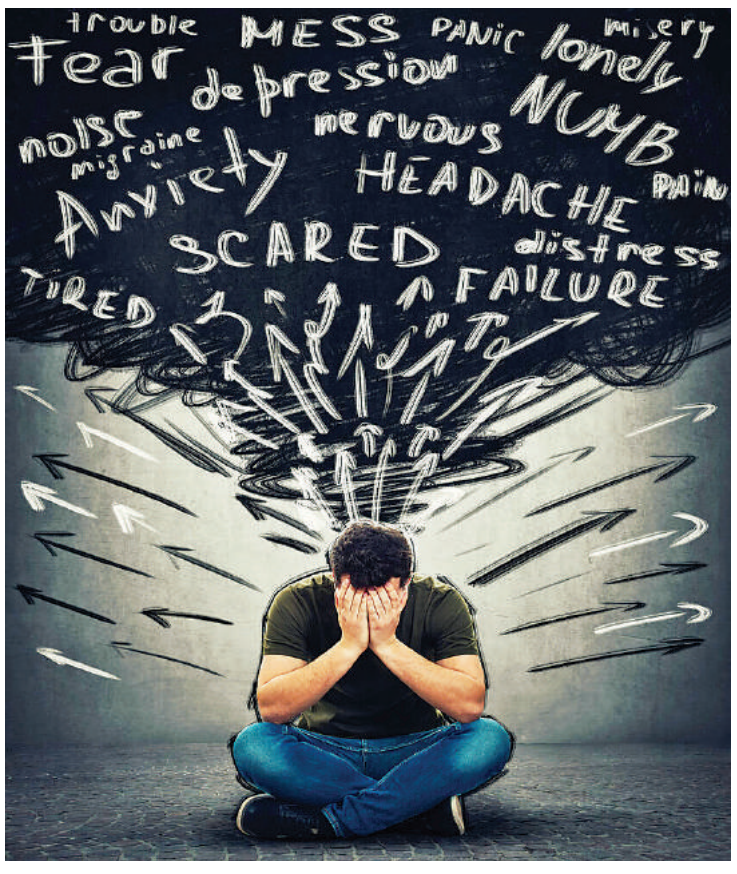

कम तेल में क्रिस्पी पकौड़े तैयार करने के लिए अपनाएं आसान टिप्स

अगर आप हेल्थ और स्वाद दोनों को बनाए रखना चाहते हैं तो ये टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। जी हां, कम तेल में क्रिस्पी पकौड़े तैयार...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

ठंड के मौसम में चाय की प्याली के साथ गर्मागर्म क्रिस्पी पकौड़े खाने के लिए मिल जाएं तो पूरा दिन अच्छा गुजरता है। लेकिन कई बार लोग पकौड़ों के जरूरत से ज्यादा ऑयली होने की वजह से उन्हें खाने से परहेज करने लगते हैं। ऐसे में अगर आप हेल्थ और स्वाद दोनों को बनाए रखना चाहते हैं तो मास्टर शेफ पंकज भदौरिया के ये टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। जी हां, कम तेल में क्रिस्पी पकौड़े तैयार करने के लिए मास्टर शेफ पंकज भदौरिया ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ टिप्स शेयर किए हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में–

तेल का तापमान-

पकौड़े तलने के लिए तेल का सही तापमान में होना बेहद जरूरी है। तेल ज्यादा गर्म होने पर पकौड़े ऊपर से जलकर काले हो जाएंगे और अंदर से कच्चे रहंगे। जबकि तेल ठंड़ा होने पर पकौड़े ज्यादा तेल सोखते हैं। ऐसे में पकौड़े तलने के लिए तेल को मीडियम टेंपरेचर पर गर्म करें।

तेल का टेंपरेचर चेक करने के टिप्स-

तेल में पकौड़े तलने से पहले उसके तापमान को एक कलछी की मदद से चेक करें। इसके लिए तेल में कलछी डुबोकर चेक करें कि क्या कलछी डालते ही तेल में छोटे-छोटे बुलबुले उठ रहे हैं कि नहीं। अगर कलछी तेल में डालते ही बुलबुले उठने लगे तो समझ जाए कि अब इसमें पकौड़े तले जा सकते हैं।

नमक-

शेफ पंकज भदौरिया कहती हैं, कि तेल जब जरूरत अनुसार गर्म हो जाए तो इसमें पकौड़े तलने से पहले एक चुटकी नमक डाल दें। ऐसा करने से पकौड़े ज्यादा तेल नहीं पीते हैं।

ये टिप्स भी है असरदार-

- पकौड़े बनाने के लिए बेसन का पेस्ट तैयार करते समय अगर उसमें आधा चम्मच तेल मिला दिया जाए तो पकौड़े तलते समय वह कम तेल सोखेगा।
- पकौड़े के लिए तैयार किया गया बेसन का घोल ज्यादा तेल ऑब्जर्व करता है। इसलिए पकौड़े के बैटर में हमेशा थोड़ा सा चावल का आटा मिला लेना चाहिए। ध्यान रखें, चावल के आटे की मात्रा बेसन की मात्रा की एक चौथाई होना चाहिए।
- नॉन स्टिक पैन में कम तेल लगता है। आप पकौड़े बनाते समय कढ़ाई की जगह नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बच्चे असफल हो जाए तो पैरेंट्स ऐसे करें डील, जरूरी है इमोशनल सपोर्ट

PARENTING

बच्चे अगर एक्जाम में या किसी फील्ड में असफल हो जाते हैं तो ऐसे वक्त में उन्हें कंमेट पास करने की बजाय पैरेंट्स को सही तरीके से सपोर्ट करना आना चाहिए।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

पैरेंट्स होने के नाते जरूरी है कि बच्चों को केवल फिजिकली और फाइनेंशियली ही नहीं बल्कि इमोशनल सपोर्ट भी किया जाए। जिससे कि उन्हें बाल मन पर किसी भी तरह का बुरा असर ना पड़े। बच्चे जब फेलियर का सामना करते हैं तो उस वक्त बच्चों को खास सपोर्ट की जरूरत पड़ती है। ऐसे में बच्चो को ये समझाना जरूरी है कि असफलता से निराश होने की जरूरत नहीं बल्कि सबक लेने की जरूरत है। पैरेंट्स को बच्चे के फेलियर पर इस तरह इमोशनल सपोर्ट करना चाहिए।

बच्चे से दोस्त की तरह बात करे - आजकल बच्चे काफी सारी एक्टीविटी में इन्वॉल्व रहते हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं वो पीछे रह जाते हैं और फेल होते हैं। बच्चों के फेलियर पर रिएक्शन देते वक्त पैरेंट्स को बहुत ही सावधानी रखने की जरूरत होती है। बच्चे असफल होने पर वैसे ही काफी दुखी होते हैं। ऐसे में बच्चों से बात करते वक्त उनके दोस्त बनकर बात करें और उन्हें 'मैं तो पहले ही कह रही थी' जैसे स्टेटमेंट ना दें।

बच्चों से प्यार करें क्वालिटी से नहीं - बच्चों के लिए आपका प्यार अनकंडीशनल होना चाहिए। बच्चे क्या कर रहे हैं इससे आपके प्यार पर असर नहीं पड़ना चाहिए। बच्चों को इमोशनल सपोर्ट और प्यार की मदद से पैरेंट्स उन्हें आगे बढ़ने और फेलियर से उबरने में मदद कर सकते हैं। जब आप बच्चे को इस तरह से सपोर्ट करेंगी तो बच्चे को समझ आएगा कि आप उसकी गलतियों के बावजूद उसे प्यार करती हैं। ऐसे में वो उन गलतियों को दोहराने से बचेगा।

बच्चों के प्रयास की सराहना करें - आजकल के प्रतियोगिता वाले माहौल में लगातार मेहनत करना जरूरी होता है। बच्चे मेहनत कर रहे हैं तो उन्हें पैरेंट्स के प्रोत्साहन की जरूरत पड़ती है। इसलिए उनकी तैयारियों और मेहनत पर उन्हें प्रोत्साहित करें। केवल रिजल्ट खराब हो जाने की वजह से उन्हें ना डांटे।

दूसरों से ना करें तुलना - ये बात अक्सर एक्सपर्ट बताते हैं कि किसी भी बच्चे की तुलना दूसरे से ना करें। उसे खुद से प्रतियोगिता करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्हें खुद की कमियों को सुधारने और आगे बढ़ने के लिए कहें। दूसरे से तुलना करने से बच्चों पर निगेटिव असर पड़ता है।

HEALTH TIPS

वजन कम करने से लेकर कैंसर जैसी बीमारी से बचाते हैं मेवे, बस इन बातों का रखें ध्यान

ठंड में सेहतमंद रहना है, तो शरीर का तापमान संतुलित रखना बहुत जरूरी है। इस काम में मेवों से बेहतर कोई नहीं। मेवे क्यों हैं फायदेमंद, कितने खाने चाहिए...

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

शायद ही कोई ऐसा होगा, जिसका दिल मेवों को देखकर नहीं ललचाता हो। लेकिन कई लोग चाहकर भी इन्हें नहीं खा पाते, क्योंकि इनके बारे में कई गलत धारणाएं प्रचलित हैं। सच्चाई तो यह है कि मेवे न केवल वजन कम करते हैं बल्कि कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोगों सहित कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। अगर आप अत्यधिक मात्रा में इनका सेवन करेंगी, तो जरूर आपको नुकसान होगा। पर, यह बात केवल सूखे मेवों पर ही नहीं, सभी खाद्य पदार्थों पर लागू होती है।

कैसे बनते हैं मेवे : मेवे दरअसल फल ही होते हैं। धूप में या सुखाने की विभिन्न प्रक्रियाओं के द्वारा इनमें मौजूद पानी को सुखा दिया जाता है। सुखाने की प्रक्रिया के दौरान इनका आकार छोटा हो जाता है, इनमें शुगर और कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है। मेवे विभिन्न विटामिन्स, मिनरल्स, फायबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इन्हें फलों की तुलना में काफी लंबे समय तक स्टोर कर के रखा जा सकता है। यही वजह है कि इन्हें ऊर्जा से भरपूर ऐसा स्नैक्स माना जाता है, जिसे आप कहीं भी, कभी भी खा सकती हैं। सर्दियों के मौसम में तापमान में तेजी से गिरावट आ जाती है, ऐसे में शरीर के तापमान को सामान्य बनाए रखने के लिए अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। मेवे और भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होते हैं:

शरीर बनेगा भीतर से मजबूत : सर्दियों को बीमारियों का मौसम भी कहा जाता है क्योंकि बाकी मौसमों की तुलना में इस मौसम में लोग अधिक बीमार पड़ते हैं। इस दौरान सर्दी-खांसी, फ्लू से लेकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामले भी काफी सामने आते हैं। ऐसे में शरीर की रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। मेवे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-सी से भरपूर होते हैं, जिससे शरीर भीतर से मजबूत बनता है। अंजीर, किशमिश और खुबानी में विटामिन-सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर बनती है और सर्दियों में होने वाले संक्रमण से लड़ने में सहायता मिलती है।

शरीर रहेगा गर्म : मेवों में स्वस्थ वसा काफी मात्रा में होती है, जो शरीर में उष्मा पैदा करती है और उसे गर्म रखती है। इनके सेवन से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है। तापमान में गिरावट हृदय रोगों और अवसाद का खतरा बढ़ा देती है। मेवों में पाया जाने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय को स्वस्थ रखता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

कितनी मात्रा में खाएं

अखरोट	–	2-3
किशमिश	–	10-12
पिस्ते	–	4-5
काजू	–	4-5
बादाम	–	7-10
अंजीर	–	2-3

(मात्रा प्रतिदिन के हिसाब से)

नहीं बढ़ेगा वजन : चूंकि मेवों में कैलोरी अधिक मात्रा में होती है, तो कई लोग सोचते हैं कि इनके सेवन से वजन बढ़ जाएगा। पर, इनमें कैलोरी इतनी ज्यादा भी नहीं होती बल्कि इन्हें खाने से अधिक देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है और हम ओवर ईटिंग से बच जाते हैं। मेवों में फायबर भी काफी मात्रा में होते हैं, जिससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और वजन कम होता है।

ऊर्जा में नहीं होगी कमी : मेवे प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इनके सेवन से शरीर में ऊर्जा की कमी नहीं होती है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। अगर आप हर सुबह नाश्ते में एक छोटी कटोरी में 4-5 तरह के मेवे खाएं तो दिन भर ऊर्जावान बनी रहेंगी।

इन बातों का ध्यान रखें : · जिन्हें डायबिटीज है वो किशमिश, अंजीर, खजूर आदि को कम मात्रा में खाएं क्योंकि इनमें शुगर अधिक होता है।

- मेवों को कभी भी अधिक तापमान पर ना भूनें। ऐसा करने से उनमें पाई जाने वाली पॉली सैचुरेटेड फैट्स खत्म हो जाती हैं।
- अगर आप मेवों को लंबे समय तक स्टोर करना चाहती हैं तो इन्हें ठंडे स्थानों जैसे फ्रिज में रखें।
- नार्वे की ओसलो यूनिवर्सिटी में हुए अध्ययन के अनुसार आप सब्जी की ग्रेवी में बादाम को पीसकर डाल सकती हैं। ये भोजन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम करती है।

***नोट :** इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

जेएंडके आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जेएंडके पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 बिल लोक सभा में पारित

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज लोक सभा में जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर चर्चा का जवाब दिया।चर्चा के बाद लोक सभा ने जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 तथा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को ध्वनि मत से पारित कर दिया।

लोक सभा में अमित शाह ने कहा कि कुल 29 वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए लेकिन बिल के उद्देश्यों के साथ सभी ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लाए गए सैकड़ों प्रगतिशील परिवर्तनों की कड़ी में ये विधेयक एक और मोती जोड़ने का काम करेंगे। शाह ने कहा कि 70 सालों से जिन लोगों के साथ अन्याय हुआ, जो अपमानित हुए और जिनकी अनदेखी हुई, ये विधेयक उन्हें अधिकार और न्याय दिलाने वाले हैं। जो लोग इन्हें वोट बैंक के रूप में उपयोग कर, अच्छे भाषण देकर राजनीति में वोट हासिल करने का ज़रिया समझते हैं वे इसके नाम के बारे में नहीं समझ सकते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एक ऐसे नेता हैं जो स्वयं गरीब घर में जन्म लेकर आज देश के प्रधानमंत्री बने हैं और वे पिछड़ों और गरीबों का दर्द जानते हैं। जब ऐसे लोगों को आगे बढ़ाने की बात होती है, तब मदद से ज़्यादा सम्मान के मायने होते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में 1980 के दशक के बाद आतंकवाद का दौर आया और जो लोग पीढ़ियों से वहां रहते थे, वे समूल वहां से विस्थापित हो गए लेकिन किसी ने उनकी परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि जिनकी ज़िम्मेदारी ये सब रोकने की थी, वे इंग्लैंड में छुट्टियां मना रहे होते थे। अगर उन लोगों ने वोट बैंक की राजनीति के बिना और सख्ती के साथ सटीक उपाय कर आतंकवाद को शुरूआत में ही खत्म कर दिया होता तो आज इस बिल को लाने की ज़रूरत ही नहीं होती। शाह ने कहा कि विस्थापितों को अपने ही देश के अन्य हिस्सों में शरणार्थी बनकर रहना पड़ा और वर्तमान आंकड़ों के अनुसार लगभग 46,631 परिवारों के 1,57,967 लोग अपने ही देश में विस्थापित हो गए। उन्होंने कहा कि ये विधेयक उन्हें अधिकार और प्रतिनिधित्व देने वाला बिल है।

अमित शाह ने कहा कि 1947 में 31,779 परिवार पाक-अधिकृत कश्मीर से जम्मू और कश्मीर में विस्थापित हुए और इनमें से 26,319 परिवार जम्मू और कश्मीर में और 5,460 परिवार देशभर के अन्य हिस्सों में रहने लगे। उन्होंने कहा कि 1965 और 1971 में हुए युद्धों के बाद 10,065 परिवार विस्थापित हुए और कुल मिलाकर 41,844 परिवार विस्थापित हुए। उन्होंने कहा कि 5-6 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री मोदी ने इन विस्थापितों की दशकों से ना सुनाई देने वाली आवाज़ को सुना और इन्हें अधिकार दिए। शाह ने कहा कि न्यायिक डिलिमिटेशन 5 और 6 अगस्त, 2019 को पारित बिल का ही हिस्सा था। उन्होंने कहा कि डिलिमिटेशन कमीशन, डिलिमिटेशन और डिमार्केटेड असेंबली लोकतंत्र का मूल और जनप्रतिनिधि को चुनने की इकाई तय करने की प्रक्रिया है। अगर डिलिमिटेशन की प्रक्रिया ही पवित्र नहीं है, तो लोकतंत्र कभी पवित्र नहीं रह सकता इसीलिए इस बिल में प्रावधान किया गया है कि न्यायिक डिलिमिटेशन फिर से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के सभी समूहों ने डिलिमिटेशन कमीशन से कहा कि उनके प्रतिनिधित्व के बारे में संज्ञान लिया जाए और ये हर्ष का विषय है कि कमीशन ने प्रावधान किया है कि 2 सीटें कश्मीरी विस्थापितों और 1 सीट पाक-अधिकृत कश्मीर से विस्थापित लोगों के लिए नामांकित की जाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को कानूनी जामा पहनाया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के इतिहास में पहली बार 9 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गई हैं और अनुसूचित जाति के लिए भी सीटों का आरक्षण किया गया है। पहले जम्मू में 37 सीटें थीं जो अब 43 हो गई हैं, कश्मीर में पहले 46 सीटें थीं वो अब 47 हो गई हैं और पाक-अधिकृत कश्मीर की 24 सीटें रिज़र्व रखी गई हैं। शाह ने कहा कि पहले जम्मू और कश्मीर विधानसभा में 107 सीटें थीं, अब 114 सीटें हो गई हैं, पहले विधानसभा में 2 नामित सदस्य होते थे, अब 5 होंगे। उन्होंने कहा कि ये सब इसीलिए हुआ क्योंकि 5-6 अगस्त, 2019 को एक ऐतिहासिक बिल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कैबिनेट ने मंज़ूरी दी और इस सदन ने उसे मान्यता देकर धारा 370 को खत्म करने का काम किया। उन्होंने कहा

कि इन विधेयकों के ज़रिए इतिहास में लोक सभा के इस प्रयास और आशीर्वाद कोहर प्रताड़ित, पिछड़ा और विस्थापित कश्मीरी याद रखेगा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने 70 सालों से भटकने वाले अपने ही देश के भाई-बहनों को न्याय दिलाने के लिए 2 सीटों का आरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि वंचितों को कमज़ोर जैसे अपमानित करने वाले शब्दों के स्थान पर पिछड़ा वर्ग का संवैधानिक शब्द इनके लिए रखा।

विस्थापितों को आरक्षण देने के औचित्य के बारे में कुछ विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में अमित शाह ने कहा कि ये कश्मीर के विस्थापितों को अधिकार और प्रतिनिधित्व देने का बिल है। कश्मीरी विस्थापितों को आरक्षण देने से कश्मीर की विधानसभा में उनकी आवाज गूंजेगी और अगर फिर विस्थापन की स्थिति आएगी तो वो उसे रोकेंगे।

गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि घाटी में जब आतंकवाद शुरू हुआ, लोगों को निशाना बनाकर वहां से भगाने की शुरुआत हुई, उस समय से लेकर अब तक घड़ियाली आंसू बहाने वाले तो अब देखे, लेकिन अगर किसी व्यक्ति ने सही मायने में लोगों के आंसू पोंछने का काम किया तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हैं। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों की पीड़ा की कल्पना नहीं कर सकते, जो अपनी जान बचाने की खातिर कश्मीर में अपनी करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी छोड़कर बेंगलुरु, अहमदाबाद जम्मू या दिल्ली जैसे शहरों में जाकर कैंप में रहे हैं। जब उन लोगों ने कश्मीर से पलायन किया तो वहां उनकी संपत्ति पर कब्जा कर लिया गया और फिर औने-पौने दाम में उन्हें अपनी जमीन बेचने को विवश किया गया, एक प्रकार से उनकी संपत्ति छीन ली गई और प्रशासन चुपचाप बैठा रहा, उसने कोई कदम नहीं उठाया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस मामले में न्याय दिलाने के लिए नया कानून बनाया और इसे Retrospective Effect यानी पिछली तारीख से लागू कर उन्हें उनकी संपत्ति वापस देने का काम किया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने लगभग 1.6 लाख लोगों को अधिवास प्रमाण-पत्र देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रति व्यक्ति 3250 रुपये और प्रति परिवार अधिकतम 13 हजार रुपये की नगद सहायता राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि हर महीने प्रति व्यक्ति नौ किलो चावल, दो किलो आटा और एक किलो चीनी देने का काम हमारी सरकार कर रही है। गृह मंत्री ने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर से आए लोगों को एकमुश्त साढ़े पांच लाख रुपये देने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने किया है। पिछले कुछ सालों में कोई काम नहीं होने के दावे करने वालों से गृह मंत्री ने कहा कि जड़ से कटे लोगों को इस बदलाव का पता कैसे लगेगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इंग्लैंड में छुट्टियां मनाकर जम्मू-कश्मीर के बदलाव का अनुभव नहीं किया जा सकता।

गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एक पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया गया, जिसने सहभागिता के अप्रोच के साथ हितधारकों के साथ कई दौर की बैठकें की। आयोग ने 198 प्रतिनिधिमंडल और 16 हजार लोगों की सुनवाई 750 दिनों में की। सभी 20 जिलों में जाकर यह सुनवाई की गई और डाक से प्राप्त लगभग 26 हजार अर्जियों को भी संज्ञान में लिया गया और इनमें जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम में सुधार का सुझाव एक मूल तत्व था। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम पहले भी था, लेकिन वह कमजोर वर्गों के लिए था जबकि इस बार संवैधानिक नाम अन्य पिछड़ा वर्ग देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने उन्हें सम्मान दिया है। शाह ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक सत्य है कि विपक्षी पार्टियों ने पिछड़ा वर्ग का सबसे बड़ा विरोध किया और पिछड़े वर्ग को रोकने का काम किया है। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि आखिर सत्तर साल तक पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता क्यों नहीं दी गई जबकि संविधान का यह मैंडेट है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसे संवैधानिक मान्यता दी।

अमित शाह ने कहा कि आम सभाओं में बैकवर्ड क्लास, बैकवर्ड क्लास बोलने वाले विपक्ष के नेताओं को जनता के सामने बताना चाहिए कि किसने काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट को रोक कर रखा। मंडल कमीशन की रिपोर्ट आने के बाद जब तक वे सत्ता के बाहर नहीं गए, तब तक वह लागू नहीं हुआ और बाद में लागू हुआ भी तो विपक्ष के नेता ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सेन्ट्रल एडमिशन स्कीम के तहत बैकवर्ड क्लास को रिजर्वेशन देने का काम कभी नहीं किया। यह काम सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार में हुआ और अब सैनिक स्कूलों, नीट और केंद्रीय विद्यालयों में पिछड़ा वर्ग के बच्चों को को सम्मान के साथ पढ़ने का अवसर दिया गया है। शाह ने कहा कि अब तक EWS यानी आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण देने की बात कभी नहीं सोची गई। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अनारक्षित जातियों के गरीब बच्चों को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने विपक्ष की ओर से उठाए गए कुछ कानूनी और संवैधानिक मुद्दे को लेकर भी विस्तार से जवाब दिया।

उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार में 2 करोड़ पर्यटकों के पहुंचने का रिकॉर्ड इस दिसंबर में टूटेगा। शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक ऐसा गंतव्य स्थान बना है जिसका वातावरण और प्रकृति वैश्विक एवं आधुनिक नजरिए वाला है। राज्य में होम स्टे नीति की बनी है, फिल्म की नीति बनी है, हाउस बोट के लिए भी एक पॉलिसी बनाने का काम किया गया है, जम्मू रोपवे परियोजना 75 करोड़ रुपए खर्च कर पूरा कर ली गई है और इंडस्ट्रियल पॉलिसी भी पूरी कर ली गई है।

अमित शाह ने कहा कि हम जो बिल लेकर आए हैं, वह ऐसे लोगों को अधिकार देने का बिल है जो सालों से वंचित थे, अधिकारों से वंचित थे, जो अपना देश अपना प्रदेश अपना घर अपनी भूमि अपनी जायदाद छूटने से अपने ही देश में निराश्रित हो गए। उन्होंने कहा कि यह पिछड़ा वर्ग के लोगों को संवैधानिक शब्द अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्मानित करने का बिल है। गृह मंत्री ने सदन से निवेदन किया कि वह बिल पारित कराने में सहयोग करें, इस बिल का उद्देश्य बहुत पवित्र है।

जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर भारत को बांटना कांग्रेस के स्वभाव में : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

नई दिल्ली में मीडिया कर्मियों से वार्तालाप करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने अहंकारी इंडी अलायंस के बयानों और गतिविधियों को विभाजनकारी बताते हुए इसे देश के लोगों के बीच अविश्वास पैदा करने और भारत को तोड़ने की कोशिश में लिप्त बताया है।

ठाकुर ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लगातार वसुधैव कुटुंबकम की सोच को पूरी दुनिया में फैला रहे हैं। भारत ने वैश्विक महामारी के समय भी पूरी दुनिया में वैक्सीन मैत्री के माध्यम से मदद फैलाई। पिछले 9 वर्षों में हमारी सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास रहा है। विपक्ष मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी करारी हार के बाद गाली-गलौज पर उतर आया है। अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने से भी आगे बढ़कर अब यह लोग भारत को सुनियोजित ढंग से खंडित करने की योजना पर आगे बढ़ गए हैं।"

देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने पूछा, "सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ऐसी क्या मजबूरी है की उनके लिए देश को बांटना जरूरी है? उनके लिए क्यों सनातन का अपमान जरूरी है? ऐसी क्या मजबूरी है की बाबासाहेब के संविधान की

धज्जियां उड़ानी जरूरी है? कांग्रेस की ऐसी क्या मजबूरी है की उनके द्वारा अपने चुनावी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना जरूरी है? मान लीजिए अगर राहुल गांधी केरल में जीतते तो क्या कहते? क्या वहां शरिया कानून लागू है। दरअसल कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में भारत को जोड़ने की बात नहीं, देश को तोड़ने की सोच को बढ़ावा दिया गया है"

ठाकुर ने आगे कहा, "कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी दल लगातार भारत को बाँटने का बीज बो रहे हैं। कांग्रेस के लोग संसद में अपने सहयोगियों को अपमानजनक टिप्पणियां करने हेतु पर्ची देते हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी अपनी हार से सीखने के बजाय हिंदू, हिंदी और सनातन के अपमान पर उतर आए हैं। ये उनका विशुद्ध अहंकार है। आखिर कांग्रेस क्यों हमेशा देश में जातिवाद या क्षेत्रवाद फैलाने में लगी रहती है? जब कांग्रेस को जातिवाद फैलाने पर वोट नहीं मिलता तब वह नॉर्थ इंडिया और साउथ इंडिया को बांटने में लग जाते हैं।"

राहुल गांधी के पुराने बयान की याद दिलाते हुए ठाकुर ने कहा, "हम सभी को याद है कि कैसे अमेठी से चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी ने दक्षिण भारत में जाकर उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। ये उनकी और कांग्रेस पार्टी की घृणित सोच का परिचायक है। राहुल गांधी ऐसे नेता हैं जो मध्य रात्रि में भी टुकड़े टुकड़े गैंग के साथ खड़े होने चले जाते हैं। इनका एकमात्र मकसद देश को खंडित करना है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी कभी भी इस देश के टुकड़े नहीं होने देगी।"

ठाकुर ने आगे कहा, "राहुल गांधी जी को बताना चाहिए कि उनकी भारत जोड़ो यात्रा ने देश को जोड़ा या तोड़ा? तेलंगाना में कांग्रेस का होने वाला मुख्यमंत्री कहता है कि तेलंगाना का डीएनए बिहार से बेहतर है। क्या राहुल गांधी इस बयान से सहमत हैं? क्या राहुल गांधी तमिलनाडु में उनके सहयोगी स्टालिन और उनके बेटे द्वारा दिए जा रहे सनातन विरोधी बयानों से सहमत हैं? क्या यह उनकी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा नहीं है?"

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत हिमाचल प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

जालंधर ब्रीज (शिमला). 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत आज हिमाचल प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां लोगों को प्रदान की गई। इसी कड़ी में आज संकल्प रथ यात्रा जिला शिमला के मशोबरा ब्लॉक की ढल्ली और कोलू जुब्बड़ पंचायत में पहुंची। ठंड के बावजूद लोग केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी लेने के लिये घरों से बाहर निकले। इस दौरान LED स्क्रीन के माध्यम से केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ स्वास्थ्य की जांच भी की गयी। वहीं, लाभार्थियों ने उन्हें मिले केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ से अवगत करवाया और अपने अनुभवों को सांझा किया। जिला ऊना में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा शुक्रवार को समूर कलां पंचायत में पहुंची। जहां पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस यात्रा का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को केंद्र सरकार की विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें चिकित्सकों ने लोगों की जांच करते हुए उन्हें चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया।

इसी तरह विकसित भारत संकल्प यात्रा जिला सिरमौर के बिरला पंचायत पहुंची। बिरला में बड़ी संख्या में लोग योजनाओं के बारे में जानकारी लेने पहुंचे। यहां विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जहां लोगो को केंद्र सरकार की योजना के बारे में जागरूक किया वहीं वैन के जरिए भी लोगों को केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। पंचायत की प्रधान उषा रानी ने बताया कि उनकी पंचायत में लोग केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का बड़ी संख्या में लाभ उठा रहे है। राष्ट्रव्यापी "विकसित भारत संकल्प यात्रा" अभियान का मुख्य उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना है जो सरकारी योजनाओं से वंचित हैं।

हरियाणा के कई जिलों में संपन्न हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा

जालंधर ब्रीज (हरियाणा). हरियाणा विकसित भारत संकल्प यात्रा आज अंबाला जिले के नारायणगढ़ उपमंडल के गांव भूरेवाला के सामुदायिक भवन में पहुंची। यहां पर आयोजित कार्यक्रम में , भाजपा के जिला प्रधान राजेश बतौरा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र राणा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं महिला मोर्चा की सदस्य सुमन सैनी, बीडीपीओ संजय टांक व के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला प्रधान राजेश बतौरा ने उपस्थित सभी को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ भी दिलवाई। उन्होनें यहां पर लगाए गये स्टालों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक सम्मानित भी किया गया।विकसित भारत संकल्प यात्रा का ग्रामीणों ने भरपूर लाभ उठाया। विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा चुके अनेक लोगों ने सरकार की जमकर सराहना की । राई से विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने शुक्रवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांव बागडू

और जफराबाद में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विधायक ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के संदर्भ में लगाई स्टॉलों का अवलोकन करते हुए योजनाओं की जानकारी ली।विधायक मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से शुरू किया गया देशव्यापी विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को साकार करेगा।

एनआईटी जालंधर के वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग को वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार से 6.78 करोड़ रुपये का अनुदान

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर

डॉ. बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग ने तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में चार अग्रणी अनुसंधान परियोजनाओं के लिए 6.78 करोड़ रुपये का पर्याप्त अनुदान प्राप्त किया है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन योजना के तहत यह अनुदान प्रदान किया है।

जूट और कॉयर बाईएक्सिअल स्टिच बोंडेड नोनवोवेन जिओटेक्सटाइल का उपयोग करके अपवाह कटाव नियंत्रण के लिए प्रोफेसर विनय मिधा को 2 करोड़ 15 लाख रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है; विभिन्न उच्च प्रदर्शन सामग्रियों का उपयोग करके लागत प्रभावी बैलिस्टिक और छुरा प्रतिरोधी सॉफ्ट बॉडी कवच के विकास के लिए डॉ. मुकेश बाज्या को 1 करोड़ 88 लाख रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है; एयर फिल्ट्रेशन के लिए माइक्रो/नैनोफाइबर कपड़ों के सॉल्यूशन ब्लो स्पिनिंग (एसबीएस) विकसित करने के लिए डॉ. एन के पलानीस्वामी को 1 करोड़ 78 लाख रुपये स्वीकृत किए गए

हैं: इलेक्ट्रो स्पिनिंग का एक संभावित और स्केलेबल तकनीक विकल्प; वस्त्र अपशिष्ट का उपयोग करके उन्नत और बहुक्रियाशील वस्त्र संरचनात्मक समग्र सामग्री के डिजाइन और निर्माण के लिए डॉ जेड बी कंबले को 1 करोड़ 5 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ये परियोजनाएं उपर्युक्त डोमेन के भीतर आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करेंगी, उन नवीन समाधानों की खोज करेंगी जिनमें उद्योग में क्रांति लाने की क्षमता है।

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उद्योग के साथ सहयोग करना और देश भर में उन्नत तकनीकी वस्त्रों के विकास को बढ़ावा देना है। डॉ. बी आर अम्बेडकर एनआईटी जालंधर जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों का समर्थन करके, मिशन उपरोक्त महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति करना चाहता है। विभाग ने हाल ही में दोनों के पारस्परिक लाभ के लिए पंजाब में औद्योगिक इकाइयों के साथ अपने शोध निष्कर्षों को साझा करने के लिए पंजाब राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के साथ सहयोग किया है।

वस्त्र प्रौद्योगिकी के लिए देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, डॉ. बी आर अम्बेडकर एनआईटी जालंधर ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने, तकनीकी प्रगति का उपयोग करने और तकनीकी वस्त्रों की दुनिया में उल्लेखनीय प्रभाव डालने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अनुदान संस्थान की उत्कृष्टता के प्रति अटूट समर्पण और अनुसंधान और नवाचार के प्रति उसकी अटल प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में कार्य करता है।

वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग प्रमुख प्रोफेसर मोनिका सिक्का ने बताया कि विभाग को हाल ही में वस्त्र मंत्रालय से 10 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है और कुल 16.78 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जिससे विभाग में शोध कार्य को बढ़ावा मिलेगा। एनआईटी जालंधर के निदेशक प्रोफेसर बी के कनौजिया ने सभी प्रमुख जांचकर्ताओं को बधाई दी और उक्त अनुदान के लिए वस्त्र मंत्रालय का आभार व्यक्त किया, जो संस्थान में किसी भी विभाग के लिए सबसे अधिक है।

ले. जनरल मनजिंदर सिंह, वाईएसएम, वीएसएम ने सेना प्रशिक्षण कमान की कमान संभाली

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर

सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने 01 दिसंबर 2023 को शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान के 24वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ के रूप में पदभार संभाला, उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल सुरिंदर सिंह माहल का स्थान लिया, जो एक दिन पहले सेवानिवृत्त हुए हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह सैनिक स्कूल कपूरथला, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के पूर्व छात्र हैं। उन्हें 20 दिसंबर 1986 को 19 मद्रास में कमीशन दिया गया था। जनरल ऑफिसर ने जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद विरोधी माहौल में अपनी बटालियन की कमान संभाली, नियंत्रण रेखा पर एक इन्फैंट्री ब्रिगेड, स्ट्राइक कोर के हिस्से के रूप में एक इन्फैंट्री डिवीजन और जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद विरोधी अभियानों में नियंत्रण रेखा पर तैनात एक कोर की कमान संभाली। जनरल ऑफिसर ने पश्चिमी मोर्चे पर और काउंटर इंसर्जेंसी ऑपरेशंस परिवेश में कोर और कमांड में विभिन्न कर्मचारियों की नियुक्तियां की हैं। जनरल ऑफिसर भारतीय सैन्य अकादमी और भूटान में भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल में प्रशिक्षक भी रहे हैं। उन्होंने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, हायर कमांड कोर्स जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में भाग लिया है और उन्हें थाईलैंड में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में भाग लेने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। जनरल ऑफिसर 01 जनवरी 2021 से मद्रास रेजिमेंट के कर्नल हैं।

सेना प्रशिक्षण कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वह एकीकृत रक्षा स्टाफ (नीति, योजना और बल विकास) के उप प्रमुख थे।

प्रचलित समकालीन सुरक्षा परिदृश्य और दुनिया भर में संघर्षों की प्रकृति में, भारतीय सेना को विकसित सिद्धांतों, अवधारणाओं के अनुरूप उत्तरदायी और अनुकूली सैनिक बनाने के लिए प्रशिक्षित करने और आकार देने की आवश्यकता है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट युद्ध प्रौद्योगिकियों को अपनाना है।भविष्य की चुनौतियाँ अनिवार्य हैं।

सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तर पर अपने विशाल अनुभव के साथ जनरल ऑफिसर अब प्रतिष्ठित सेना प्रशिक्षण कमान के प्रमुख हैं, जिन्हें परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए इन जिम्मेदारियों से सम्मानित किया गया है। उनके अनुकरणीय नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए, जनरल ऑफिसर को 2015 में युद्ध सेवा पदक और 2019 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। कमान संभालने पर, जनरल ऑफिसर ने सभी श्रेणी ए प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों, वीर नारियों, दिग्गजों, नागरिक रक्षा कर्मचारियों और उनके परिवारों सहित सेना प्रशिक्षण कमान के सभी रैंकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नौजवानों को रोज़गार प्राप्ति के समर्थ बनाने के लिए शुरू की जाएगी पंजाब कौशल प्रशिक्षण स्कीम : अमन अरोड़ा

रोज़गार उत्पत्ति मंत्री द्वारा राज्य की अपनी कौशल प्रशिक्षण स्कीम को अंतिम रूप देने के लिए वर्किंग ग्रुप बनाने के निर्देश

मल्टी स्किल डिवैल्लपमैंट सैंटरों का और उचित प्रयोग यकीनी बनाने के लिए भाईवालों के साथ किया विचार-विमर्श

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के रोज़गार उत्पत्ति, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने पंजाब कौशल प्रशिक्षण स्कीम को अंतिम रूप देने के लिए विभाग के अधिकारियों को वर्किंग ग्रुप बनाने के निर्देश दिए हैं ताकि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच अनुसार राज्य के नौजवानों के कौशल को तराश कर उनको रोज़गार प्राप्ति के समर्थ बनाया जा सके। अमन अरोड़ा यहाँ पेडा कंपलैक्स में प्रस्तावित स्टेट कौशल प्रशिक्षण स्कीम और मल्टी स्किल डिवैल्पमैंट सैंटरों के और उचित प्रयोग के बारे ओपन हाऊस चर्चा सैशन के दौरान भाईवालों और प्रशिक्षण पार्टनरों को संबोधन कर रहे थे। प्रस्तावित कौशल प्रशिक्षण स्कीम के बारे बात करते हुये श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि इस स्कीम के अंतर्गत समाज के कमज़ोर वर्ग के उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देने के इलावा सरकारी स्कूलों, कालेजों, यूनिवर्सिटियों, आई. टी. आई.ज़., पोलीटेकनिक, मल्टी स्किल डिवैल्पमैंट सैंटरों (एम. एस. डी. सीज़), हैल्थ सैक्टर डिवैल्पमैंट सैंटरों (एच. एस. डी. सीज़), ग्रामीण कौशल केंद्रों (आर. एस. सीज़) के विद्यार्थियों/ उम्मीदवारों और उन तजुर्बेकार उम्मीदवारों, जिनके पास कौशल प्रमाण पत्र नहीं हैं, को थोड़े समय (दो महीने से एक साल) के प्रशिक्षण कोर्स करवाए जाएंगे।

कैबिनेट मंत्री ने मल्टी स्किल डिवैल्पमैंट सैंटरों (एम. एस. डी. सीज) के सर्वोत्म प्रयोग को यकीनी बनाने के लिए भाईवालों के साथ विचार-विमर्श भी किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में पाँच मल्टी स्किल डिवैल्पमैंट सैंटर, तीन हैल्थ स्किल डिवैल्पमैंट सैंटर और 198 ग्रामीण कौशल केंद्र कार्यशील हैं। औद्योगिक ज़रूरतों और कुशल स्टाफ के बीच के अंतर को पाटने पर पूर्ण पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत पर ज़ोर देते श्री अमन अरोड़ा ने अधिकारियों को उद्योग की ज़रूरतों अनुसार कोर्सों को डिज़ाइन करने के लिए कहा। उन्होंने प्रस्तावित कौशल प्रशिक्षण स्कीम के बारे भाईवालों से सुझाव भी माँगे। प्रमुख सचिव रोज़गार उत्पत्ति, कौशल विकास और प्रशिक्षण श्रीमती जसप्रीत तलवार ने सभी भाईवालों और प्रशिक्षण पार्टनरों का स्वागत किया। इस मौके पर उप चेयरपर्सन पंजाब विकास आयोग सीमा बांसल, डायरैक्टर सुश्री अमृत सिंह और तकनीकी शिक्षा, उद्योग, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभागों के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस समागम में औद्योगिक ऐसोसीएशनों, एन. एस. डी. सी., सी. आई. आई., फीक्की (एफ. आई. सी. सी. आई.), नाबार्ड, सी-पाइट, ट्रेनिंग पार्टनरज़, एस. एस. सीज़ के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

प्रदर्शनकारी, कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार करने में विफल रहने के लिए बाजवा ने मुख्यमंत्री की आलोचना की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान पर कर्मचारियों के साथ-साथ आम लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'यह आप सरकार है जिसने पहले पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया था और अब वह अपने वादे से मुकर रही है। इस बीच, उन्हें हड़ताल पर गए लगभग एक महीना हो गया है और उनकी मांगों में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू करना, महंगाई भत्ते (डीए) की शेष तीन किस्तें जारी करना और परिवीक्षा अवधि के दौरान भी कर्मचारियों को पूर्ण वेतनमान देना शामिल है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि 52 सरकारी विभागों के 50,000 से अधिक कर्मचारी, जो पंजाब स्टेट मिनिस्ट्रियल स्टाफ यूनियन के सदस्य हैं, पिछले एक महीने से हड़ताल पर हैं, लेकिन आप सरकार ने उनकी वैध मांगों पर आंखें मूंद ली हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह वही कर्मचारी हैं जिन्होंने सरकार बनाने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में पंजाब सचिवालय में प्रवेश करते समय उनके पक्ष में नारे लगाए थे। बाजवा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने पंजाब सरकार के कर्मचारियों से झूठे वादे करके उनकी पीठ में छुरा घोंपा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पिछले साल 10 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक कर्मचारी ओपीएस मुद्दे को लेकर हड़ताल पर चले गए थे। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा ओपीएस लागू करने की घोषणा के बाद हड़ताल वापस ले ली गई। बाजवा ने कहा कि पीएसएमएसयू की हड़ताल के कारण पंजाब सरकार के करीब दो लाख कर्मचारियों के वेतन में भी देरी हुई है।

जवानों की शहादतों व भर्ती के लिए प्रोत्साहित करने को चलाई साइकिल रैली का जौड़ामाजरा द्वारा स्वागत

435 साइकिल सवारों ने महीने भर में 1200 किलोमीटर का सफ़र तय किया

फ्लैग डे फंड में से 212 सैनिकों को 17.75 लाख रुपए वित्तीय सहायता के तौर पर दिए

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब भर में शहीद सैनिकों की शहादतों के बारे में लोगों को जागरूक करने और नौजवानों को सशस्त्र सेनाओं में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए चलाई गई देश में अपने किस्म की पहली साइकिल रैली को आज आर्म्ड फोर्सिज़ फ्लैग दिवस के अवसर पर रक्षा सेवा कल्याण मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा द्वारा वॉर मेमोरियल, बोगनविलिया पार्क, सैक्टर-3 में समाप्ति समारोह के दौरान फ्लैग-इन किया गया। डायरैक्टोरेट रक्षा सेवाएं कल्याण विभाग पंजाब द्वारा करवाए गए विशेष समारोह में बतौर मुख्य मेहमान पहुँचे रक्षा सेवा कल्याण मंत्री जौड़ामाजरा ने कहा कि विभाग ने देश में एक नवीन पहल करते हुए यह साइकिल रैली चलाई ताकि फ्लैग डे फंड के बारे में आम जनता को अवगत करवाने समेत देश की रक्षा के लिए सैनिकों द्वारा दिए गए बलिदान संबंधी जागरूकता फैलाकर और नौजवानों में देश-भक्ति की भावना पैदा करके उनको सशस्त्र सेना में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। बता दें कि एक महीना पहले इस साइकिल रैली की शुरुआत वॉर मेमोरियल, बोगनविलिया पार्क, सैक्टर-3 से की गई थी, जो पंजाब के सभी 23 ज़िलों से होते हुए आज सुबह ज़िला रक्षा सेवाएं कल्याण दफ्तर मोहाली से चलकर वॉर मेमोरियल चंडीगढ़ में पहुँची। रैली के दौरान अलग-अलग ज़िलों की साईकलिंग टीमों ने कुल 1200 किलोमीटर का सफर तय किया, जिसमें अलग-अलग ज़िलों से तकरीबन 435 साईकलिस्टों ने भाग लिया। इस दौरान विभाग द्वारा 212 ज़रूरतमंद सैनिकों को करीब 17 लाख 75 हज़ार रुपए की राशि बाँटी गई।

इसके उपरांत रक्षा सेवा कल्याण मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा, जगमीत ग्रेवाल पत्नी शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह सेना मेडल, महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सिज़ प्रैपरेट्री इंस्टीट्यूट, माई भागो आर्म्ड फोर्सिज़ प्रैपरेट्री इंस्टीट्यूट और एन.सी.सी चंडीगढ़ के तीनों विंगों के कैडिटों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

समारोह में रक्षा सेवाएं कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री जे.एम बालामुरगन, डायरैक्टर ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डॉ. बीएस ढिल्लों, डिप्टी डायरैक्टर कमांडर बलजिन्दर सिंह विर्क, पूर्व सैनिक, एनसीसी कैडिट और रक्षा सेवा कल्याण विभाग के अधिकारी और स्टाफ मैंबर उपस्थित थे।

राकेश गुप्ता के मंडल नंबर 4 के उपाध्यक्ष बनने पर राकेश राठौर ने दी शुभकामनाएं

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भाजपा पंजाब के महामंत्री एवं जालंधर शहर के पूर्व मेयर राकेश राठौर ने अपने निवास स्थान पर पहुंचे वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश गुप्ता को भारतीय जनता पार्टी के मंडल 4 के उपाध्यक्ष बनने पर मुंह मीठा करा कर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पार्टी की जन कल्याणकारी एवं जन हितैषी नीतियों व योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमन पब्बी, हसन सोनी (मंडल महासचिव), हेमंत ढल्ल, हरीश महेंद्रू, दिनेश खन्ना, अनुपम शर्मा संजीव शर्मा, हरजिंदर अरोड़ा, बृजमोहन व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। इस दौरान आगामी निगम चुनावों के लिए की जा रही वार्डबंदी, संभावित उम्मीदवारों की सक्रियता व जनसमर्थन लेने के अनुरूप रणनीति संबंधी विस्तृत चर्चा की गई।

'सीएम दी योगशाला' प्रोजैक्ट के अंतर्गत जिले में 39 योग ट्रेनर लोगों को सिखाएंगे योग

डिप्टी कमिश्नर ने एसडीएम्ज व ईओज को योग कक्षाओं के प्रति लोगों को जागरुक करने के दिए निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने कहा कि मुख्य मंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान की ओर से प्रदेश में शुरु किया 'सी. एम. दी योगशाला' प्रोजैक्ट के अंतर्गत होशियारपुर शहर के अलावा जिले के भी अन्य स्थानों पर योग कक्षाएं शुरु की जा रही है, जिस संबंध में योग ट्रेनर इन स्थानों पर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने 'सी.एम दी योगशाला' प्रोजैक्ट को जिले में और प्रभावी ढंग से लागू करने संबंधी आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जिले के समूह एस.डी.एम्ज, ई.ओज व अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि लोगों को इन निःशुल्क योग कक्षाओं के बारे में ज्यादा जागरुक किया जाए।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश के नागरिकों को निःशुल्क योग शिक्षा देने की यह एक बेहतरीन पहल है। इस योजना के अंतर्गत प्रमाणित योग टीचर लोगों के समूह को निःशुल्क योग सिखाएंगे। कोमल मित्तल ने कहा कि 'सी.एम. दी योगशाला' के माध्यम से लोगों को उनके द्वारा चुने गए स्थान पर जैसे कि पार्क, सार्वजनिक स्थान पर निःशुल्क योग शिक्षा दी जाएगी। अगर किसी व्यक्ति के पास योग कक्षा करने का स्थान उपलब्ध है और कम से कम 20-25 लोगों का समूह है तो पंजाब सरकार योग ट्रेंड इंस्ट्रक्टर घर भेजेगी। उन्होंने कहा कि जो लोग इन कक्षाओं का लाभ लेना चाहते हैं वे टोल फ्री नंबर 7669400500 पर मिस्ड काल दे सकते हैं या फिर सी.एम. की योगशाला पोर्टल cmdiyogshala.punjab.gov.in पर लॉगइन कर सकते हैं।

नशे के खिलाफ जिला व पुलिस प्रशासन की ओर से वॉकथॉन 9 को : एसएसपी

जिला वासियों को वॉकाथॉन में भाग लेने के लिए दिया निमंत्रण

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

मुख्य मंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान और डी. जी. पी पंजाब गौरव यादव के दिशा-निर्देशों के तहत जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन होशियारपुर द्वारा पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाने और नशे को जड़ से खत्म करने की प्रतिबद्धता के तहत 'जिंदगी को हां, नशों को ना' शीर्षक के तहत पुलिस लाइन होशियारपुर से 9 दिसंबर 2023 सुबह 9 बजे 5 किमी वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए एस. एस. पी होशियारपुर श्सुरेंद्र लांबा ने बताया कि यह वॉकथॉन पुलिस लाइन होशियारपुर से शुरू होकर सदर चौक, शिमला पहाड़ी चौक, बी. एस. एन. एल टेलीफोन एक्सचेंज, कोटू टी प्वाइंट, सेशन चौक, माहिलपुर अड्डा, सदर चौक से होते हुए पुलिस लाइन होशियारपुर में समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि जो भी व्यक्ति इस वॉकथॉन में भाग लेना चाहता है वह 9 दिसंबर 2023 को सुबह 9 बजे सफेद टी-शर्ट, काला या नीला लोअर और स्पोर्ट्स जूते पहनकर इस वॉकथॉन में भाग ले सकता है। उन्होंने कहा कि वॉकथॉन की समाप्ति के बाद पुलिस लाइन में रिफ्रेशमैंट की भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने जिला वासियों को बढ़-चढ़ कर इस वॉकथॉन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

एनडीए की दाख़िला परीक्षा के लिए 29 दिसंबर तक कर सकते हैं अप्लाई : डिप्टी कमिश्नर

महाराजा रणजीत सिंह आर्मडल फोर्सेज प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर करें रजिस्ट्रेशन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब सरकार महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट मोहाली में 14वें दाखिला कोर्स के लिए परीक्षा आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने बताया कि एन.डी.ए. जो लड़के इसमें शामिल होना चाहते हैं वे इस दाखिला परीक्षा में भाग ले सकते हैं। इस दाखिला परीक्षा के लिए पंजाब राज्य के निवासी 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले लड़के छात्र जिनका जन्म 2 जुलाई 2007 से 1 जनवरी 2010 के बीच जन्में दाखिला परीक्षा के लिए अप्लाई कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 11वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी निर्धारित आयु सीमा पूरी करने पर आवेदन के अप्लाई कर सकते हैं।

डिप्टी कमिश्नर ने यह भी कहा कि इस संस्था द्वारा परीक्षा के बाद चयनित छात्रों को एन.डी.ए. डिफैंस सर्विस में दाखिले के लिए लिखित और शारीरिक टैस्ट की तैयारी के साथ-साथ 11वीं और 12वीं की शिक्षा भी मोहाली के सर्वश्रेष्ठ शिक्षा स्तर के स्कूलों से कराई जाएगी। उन्होंने जिले के युवाओं से अपील की कि वे रक्षा बलों में पंजाब का प्रतिनिधित्व बनाए रखने के लिए परीक्षा में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए जिला रोजगार सृजन एवं कौशल विकास एवं प्रशिक्षण विभाग के डिप्टी डायरेक्टर गुरमेल सिंह ने बताया कि अप्रैल 2024 बैच के लिए लिखित परीक्षा जनवरी-2024 के दौरान दूसरे या तीसरे रविवार को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन संस्थान के पोर्टल http://recruitment-portal.in के लिंक पर 29 दिसंबर 2023 तक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए संस्था की वेबसाइट www.afpipunjab.org या टेलीफोन नंबर 0171-2219707 और मोबाइल नंबर 90410-06305 पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

'इमारतों में पुष्पन और रिसाव/सीपेज को रोकने के उपाय' विषय पर सेमिनार

• **जालंधर ब्रीज.** बठिंडा

बठिंडा सैन्य स्टेशन के तक्षशिला सभागार में मुख्य अभियंता बठिंडा जोन, सैन्य इंजीनियरिंग सेवा द्वारा "इमारतों में पुष्पन और रिसाव/रिसाव को रोकने के उपाय" विषय पर आज एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जनरल ऑफिसर कमांडिंग 10 कोर प्रमुख अतिथि थे और 10 कोर के चीफ ऑफ स्टाफ और 81 सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग भी मौजूद थे। इस सेमिनार में पंजाब और राजस्थान के विभिन्न स्टेशनों से विभिन्न स्तरों के 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। इस सेमिनार का विषय पुष्पन, रिसाव/रिसाव के उपचार के कारणों, रोकथाम और उपचारात्मक उपायों के बारे में जागरूकता लाना था। इन समस्याओं को कम करने के लिए बाजार में उपलब्ध नवीनतम निर्माण प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर दिया गया। व्याख्यानों की श्रृंखला सैन्य इंजीनियरिंग सेवा विभाग के अधिकारियों, ज्ञानी जैल सिंह इंजीनियरिंग कॉलेज बठिंडा के प्रोफेसर (डॉ.) मंजीत बंसल और निर्माण उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा दी गई।

प्रतिभागियों द्वारा आत्मसात करने और समझने में आसानी के लिए उत्पाद प्रदर्शन स्टॉल भी आयोजित किए गए थे। इस बात पर जोर दिया गया कि हालाँकि ये समस्याएँ प्रकृति के सौंदर्य को तो बढ़ाते हैं, लेकिन इमारत के ढाँचे में इनकी उत्पत्ति इमारत की संरचना के लिए अत्यधिक हानिकारक होती हैं।

सेमिनार के समापन के बाद, प्रतिभागियों की राय थी कि, विभिन्न चर्चा सत्रों के माध्यम से उन्हें विशेषज्ञों द्वारा उठाए गए इन मुद्दों से निर्माण पूर्व और बाद के चरणों के दौरान उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों को समझने में मदद मिली। उन्होंने आगे इच्छा व्यक्त की कि निर्माण के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर ऐसे सेमिनार नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए।

बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी : सुशील रिंकू

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के दिखाए हुए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी इसलिए हमें उनकी विचारधारा को दिल से अपनाना व अनुकरण करना चाहिए। यह विचार जालंधर से लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने आज अंबेडकर भवन ट्रस्ट (रजि.) और अखिल भारतीय समता सैनिक दल (रजि.) पंजाब इकाई के सहयोग से स्थानीय अम्बेडकर भवन में भारत रत्न बाबासाहेब के प्री-निर्वाण दिवस पर आयोजित समारोह में उन्हें श्रद्धा के फूल भेंट करते हुए व्यक्त किए।

इस दौरान उन्होंने यहां नवनिर्मित रमाबाई अंबेडकर मेमोरियल हॉल का उद्घाटन भी किया। रिंकू ने कहा कि उनकी शिक्षाओं व आदर्शों का अनुकरण ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर डॉ. सुरिंदर अजानत एम.ए.पी.एच.डी. मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने बाबा साहिब के जीवन से संबंधित अहम पहलुओं पर प्रकाश डाला।

टी20 सीरीज : टीम इंडिया साउथ अफ्रीका पहुंची, पहला मैच 10 दिसंबर को डरबन में

केप टाउन. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टी20 टीम साउथ अफ्रीका पहुंच गई है। भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु से दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरी थी। सूर्या की कप्तानी में भारत ने हाल ही में अपने घर में ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हैं।

साउथ अफ्रीका में हालांकि टीम इंडिया के लिए हमेशा से मुश्किलें पेश आई हैं। रिंकू सिंह ने फ्लाइट के अंदर से सोशल मीडिया पर एक सेल्फी पोस्ट की थी जिसमें अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव दिखाई दे रहे हैं। सभी युवा खिलाड़ी आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए दावेदारों में शुमार हैं। टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन जून 2024 में वेस्टइंडीज में होगा। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका में आजमाने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का अच्छा मौका है।

फोटो- बीसीसीआई

वहीं भारतीय टीम के दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी। जहां पहला टी20 10 दिसंबर को डरबन में खेला जाएगा। दूसरा मैच 12 को ग्वेकबेरहा में होगा। तीसरा और आखिरी मैच 14 दिसंबर को जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा। इसके बाद वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला वनडे 17 दिसंबर को जोहानिसबर्ग में जबकि दूसरा वनडे ग्वेकबेरहा में 19 को वहीं तीसरा वनडे पार्ल में 21 दिसंबर को खेला जाएगा। टी20 और वनडे सीरीज के बाद भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट बॉक्सिंग डे के मौके पर खेला जाएगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.